



# دفتر مجلس انصار اللہ بھارت

Office Of The Majlis Ansarullah Bharat

Mohallah Ahmadiyya Qadian-143516, Distt.Gurdaspur (Punjab) INDIA



Mob.9682536974,E-Mail: ansarullah@qadian.in

KhulasaKhutba-15.03.2024

محله احمدیہ قادیان ۱۴۳۵۱۶ ضلع: گورداسپور (پنجاب)

رمضانوں کے فزائیل اور ہجرت اکبر مسیہ مائید ایلہیسلالاتو  
وسللام کے پویتر کثنون کی پکاش میں تکوا پراپ کرنے کا وویک پورن بیاان।

ساراشا खुत्ब: जुम्अ: सव्यदना अमीरुल मोमिनीन हजरत मिर्जा मसरूर अहमद खलीफतुल मसीह अल-खामिस अख्यदहुल्लाहु तआला बिनसिहिल अजीज़, बयान फर्मूदा 15 मार्च 2024, स्थान मस्जिद मुबारक इस्लामाबाद पू. के।

أَشْهَدُ أَنْ لَا إِلَهَ إِلَّا اللَّهُ وَحْدَهُ لَا شَرِيكَ لَهُ وَأَشْهَدُ أَنَّ مُحَمَّدًا عَبْدُهُ وَرَسُولُهُ

أَمَّا بَعْدُ فَاذْكُرُوا بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

أَلْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ - الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ - مَالِكِ يَوْمِ الدِّينِ - إِيَّاكَ نَعْبُدُ وَإِيَّاكَ نَسْتَعِينُ - اهْدِنَا الصِّرَاطَ الْمُسْتَقِيمَ - صِرَاطَ الَّذِينَ أَنْعَمْتَ عَلَيْهِمْ غَيْرِ الْمَغْضُوبِ عَلَيْهِمْ وَلَا الضَّالِّينَ -

يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا كُتِبَ عَلَيْكُمُ الصِّيَامُ كَمَا كُتِبَ عَلَى الَّذِينَ مِنْ قَبْلِكُمْ لَعَلَّكُمْ تَتَّقُونَ. أَيَّامًا مَعْدُودَاتٍ فَمَنْ كَانَ مِنْكُمْ مَرِيضًا أَوْ عَلَى سَفَرٍ فَعِدَّةٌ مِنْ أَيَّامٍ أُخَرَ وَعَلَى الَّذِينَ يُطِيقُونَهُ فِدْيَةٌ طَعَامُ مِسْكِينٍ فَمَنْ تَطَوَّعَ خَيْرًا فَهُوَ خَيْرٌ لَهُ وَأَنْ تَصُومُوا خَيْرٌ لَكُمْ إِنْ كُنْتُمْ تَعْلَمُونَ.

तशहूद तअव्वुज़ तथा सूः फ़ातिहः तथा सूः अलबकरा की आयत 184 तथा 185 की तिलावत के बाद हुज़ूर-ए-अनवर अख्यदहुल्लाहु तआला बिनसिहिल अजीज़ ने इन आयतों का अनुवाद पेश करते हुए फ़रमाया- 'ऐ वे लोगो जो ईमान लाए हो! तुम पर रोज़े उसी तरह फ़र्ज़ कर दिए गए हैं जिस तरह तुम से पहले लोगों पर फ़र्ज़ किए गए थे ताकि तुम तक्वा धारण करो। गिनती के कुछ दिन हैं अतः जो भी तुममें से रोगी हो अथवा यात्रा के लिए निकला हो तो उसे चाहिए कि वह इतनी अवधि के रोज़े दूसरे दिनों में पूरे करे तथा जो लोग इसका सामर्थ्य रखते हों उन पर फ़िदिया एक निर्धन दरिद्र को खाना खिलाना है। अतएव जो कोई भी नफ़ली नेकी करे तो यह उसके लिए अति लाभदायक है और तुम्हारा रोज़े रखना तुम्हारे लिए अच्छा है यदि तुम समझ बूझ रखते हो।

फ़रमाया- अल्लाह तआला की कृपा से रमज़ान का महीना शुरु हो चुका है। आँहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने फ़रमाया कि यह अत्यंत महान एवं बरकतों वाला महीना है। इस महीने में अल्लाह तआला अपने बन्दों को अपने फ़ज़ल प्रदान करने के लिए अत्यंत दयालु हो जाता है। अल्लाह तआला तो

सामान्य दिनों में भी अपने बन्दों को इतना प्रदान करता है कि जिसका हम विचार भी नहीं कर सकते। इस महीने में विशेष रूप से शैतान को जकड़ कर उसके पंजे से निकलने के साधन करता है, तो उसका उदाहरण देने के लिए तो हमारे पास शब्द नहीं हैं। बीते दिनों में इबादतों में जो भी सुस्तियाँ हम दिखा चुके हैं अल्लाह तआला ने इस महीने में उस कमी को पूरा करने की सुविधा कर दी है।

रमजान के महीने में मस्जिदों में दर्स की व्यवस्था होती है इसी तरह एम.टी.ए. पर भी सुविधा है, उससे लाभान्वित होना चाहिए तथा अल्लाह तआला की निकटता को पाने का प्रयत्न करना चाहिए तथा फिर इस वातावरण के प्रभाव का अपने जीवन का हमें स्थाई अंश बनाना चाहिए ताकि अल्लाह तआला की कृपाओं एवं उपकारों के हम निरन्तर उत्तराधिकारी बनते चले जाएँ। रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने फ़रमाया है कि अल्लाह तआला को अपने बन्दे के उसकी ओर आने की ऐसी खुशी होती है जैसे एक माँ को अपने खोए हुए बच्चे को पाकर खुशी होती है, बल्कि उससे भी बढ़ कर। अल्लाह तआला जब अपने बन्दे से खुश होता है तो उसको इतना अधिक देता है कि जिसकी कोई सीमा नहीं। अतः हम भाग्य शाली होंगे यदि रमजान के इस वातावरण से लाभ उठाएँ।

सूरः अलबक्रा की इन आयतों में अल्लाह तआला ने जहाँ तक़्वा धारण करते हुए अपने आदेशों पर चलने की हिदायत फ़रमाई है, वहीं कुछ अन्य निर्देशों का भी वर्णन फ़रमाया है। रोज़ों का उद्देश्य तक़्वा पर चलना है। धनवान लोगों को चाहिए कि अपने आस पास मौजूद निर्धनों का रमजान में विशेष रूप से ध्यान रखें। दावतों के रंग में जो बड़ी बड़ी अफ़तार पार्टियाँ होती हैं उनके समर्थन में वैसे भी मैं नहीं हूँ। ये सब दिखावे तथा बिदअत का रंग धारण कर गए हैं। रमजान में तो कुर्आन करीम पढ़ने पढ़ाने, सुनने सुनाने, इबादत तथा ईश स्तुति की ओर ध्यान रहना चाहिए। रोज़ा गुनाहों से बचने के लिए ढाल है परन्तु ढाल का उपयोग भी आना चाहिए अन्यथा शैतान तो हर समय इंसान को बहकाने के लिए प्रयासरत है। इबादतों तथा अल्लाह की याद का घेरा हमें शैतान की हमलों से बचाएगा। शैतान को कोई तुच्छ चीज़ नहीं समझना चाहिए। उसने बड़ी चुनौती के साथ यह बात कही थी कि अल्लाह तआला के बन्दों की अधिकांश संख्या मेरे बहकावे में आकर मेरे पीछे चलेगी। अतः हमने रमजान में उसके इस चैलेंज का मुकाबला करना है और फिर यह कोशिश करनी है कि हम इबादतों तथा कुर्आन के आदेशों पर अमल करने के हथियार से शैतान का सदैव मुकाबला करते चले जाएँ।

रोज़े की वास्तविकता बयान करते हुए हज़रत अक्रदस मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम फ़रमाते हैं- रोज़े की वास्तविकता से भी लोग अनभिज्ञ हैं। रोज़ा इतना ही नहीं कि उसमें इंसान भूखा प्यासा रहता है बल्कि उसका एक यथार्थ तथा एक प्रभाव है जो अनुभव से पता चलता है। इंसान की प्रकृति में है कि जितना कम खाता है उतना ही आत्मा की शुद्धि होती है तथा कश्फ़ देखने की शक्तियाँ बढ़ती हैं। खुदा तआला का इससे अभिप्रायः यह है कि एक भोजन को कम करो तथा दूसरे को बढ़ाओ। इंसान को चाहिए कि खुदा तआला की याद में लीन रहे ताकि संसार से कटने का मार्ग प्राप्त हो। अतः रमजान में

कुर्आन करीम के पढ़ने और समझने के साथ साथ इबादत एवं अल्लाह की स्तुति भी अत्यंत आवश्यक है। दिल अल्लाह तआला की प्रशंसा करता रहे। तस्बीह करें, इसके लिए हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम की बताई हुई दुआ, जो इलहामी दुआ भी है, अर्थात्- سبحان الله وبحمده سبحان الله العظيم اللهم صل على محمد وآل محمد यह एक अत्यंत महत्त्व पूर्ण दुआ है। आँहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम का वास्ता दुआओं की क़बूलियत के लिए अनिवार्य है, यह अल्लाह तआला का आदेश है।

कुर्आन करीम में अल्लाह तआला ने बार बार तक्वा की राहों पर चलने का उपदेश फ़रमाया है। हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम ने भी लगभग हर एक मजलिस में इसकी ओर ध्यान आकर्षित किया है। आप अलैहिस्सलाम की कविता का मिसरा है कि “हर इक नेकी की जड़ यह इत्तिका है” इस पर अल्लाह तआला ने इलहाम में अगली पंक्ति में फ़रमाया कि “अगर यह जड़ रही सब कुछ रहा है” अतः तक्वा ही है जो अल्लाह को पसन्द है और हर एक नेकी की ओर ले जाता है। तक्वा सांसारिक मैलकुचैल से पाक करता है इस लिए तक्वा की प्राप्ति हर मोमिन का प्रथम कर्तव्य होना चाहिए।

इन आयतों में से दूसरी आयत में रोज़े के विषय में कुछ आदेशों का वर्णन है। फ़रमाया- इन गिनती के कुछ दिनों में भी अल्लाह तआला रोज़े फ़र्ज़ कर देने के बावजूद तुम्हें सुविधा देता है अतएव जो रोगी अथवा यात्री हैं, वे अपने ऊपर अकारण ही बोझ न डालें तथा स्वस्थ होने अथवा यात्रा समाप्त होने के बाद रोज़े पूरे कर लें। फ़र्ज़ पूरा अवश्य करना है परन्तु अकारण बोझ भी नहीं डालना। फ़िदये का निर्देश दिया गया है किन्तु यह हर एक के लिए नहीं है बल्कि सामर्थ्य लोगों के लिए यह आदेश है कि इससे दोहरा सवाब मिलता है, यह अतिरिक्त नेकी है। फिर दूध पिलाने वाली माँ हैं अथवा स्थाई रोगी हैं, उनको सामर्थ्यानुसार फ़िदया देने का निर्देश दे दिया तथा फ़रमाया कि तुम्हारा फ़िदिया देना रोज़ों का बदला है। फ़िदिये से निर्धनों की सहायता होती है। मानो यहाँ भी बन्दों के अधिकारों को इबादत का स्तर दे दिया। यह है इस्लाम का ख़ुदा जो रहम के अतिरिक्त कुछ नहीं। हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम फ़रमाते हैं कि एक बार मुझे विचार आया कि यह फ़िदिया किस लिए निश्चित किया गया है तो पता चला कि तौफ़ीक़ के वास्ते है ताकि रोज़े की तौफ़ीक़ मिले। ख़ुदा तआला सर्वशक्तिमान है यदि वह चाहे तो एक मदकूक़ (टीबी का रोगी) को भी रोज़े की शक्ति प्रदान कर सकता है। अतः फ़िदिये का यही उद्देश्य है कि वह शक्ति प्राप्त हो जाए और यह ख़ुदा तआला की कृपा से होता है।

हुज़ूर अलैहिस्सलाम फ़रमाते हैं कि असल बात यह है कि कुर्आन शरीफ़ की छूट के अनुसार कार्य करना भी तक्वा है। अल्लाह तआला ने यात्री तथा रोगी को दूसरे समय पर रोज़ा रखने की आज्ञा तथा छूट दी है। इस आदेश पर भी अमल रखना चाहिए। जो व्यक्ति मरीज़ अथवा मुसाफ़िर होने की अवस्था में रोज़ा रखता है, वह ख़ुदा तआला के स्पष्ट आदेश की अवहेलना करता है। मुक्ति ख़ुदा तआला की कृपा से है, न कि अपने कर्म का ज़ोर दिखा कर कोई मुक्ति प्राप्त कर सकता है। रोगी तथा यात्री यदि

रोज़ा रखता है तो उन पर आदेशों का पालन न करने का फ़तवा लगता है। तक्वा यही है कि अल्लाह तआला के आदेशों पर अमल करो।

अल्लाह तआला हमें रमज़ान, अल्लाह तआला की रज़ा पर चलते हुए तक्वा की राहों से गुज़ारने की तौफ़ीक़ अता फ़रमाए। हमें अपने तक्वा के स्तर ऊँचे रखने की तौफ़ीक़ दे। हम सदैव इस्लाम की सुन्दर शिक्षा पर अमल करने वाले हों तथा इस रमज़ान में हम अल्लाह तआला की असंख्य बरकतें प्राप्त करने वाले हों। हर दिन हमारे लिए बरकतों के सामान लेकर आए। रमज़ान से हम वास्तविक लाभ प्राप्त करने वाले हों। यह रमज़ान हमें अल्लाह तआला के निकटतम करने वाला हो, मक़बूल दुआओं की हमें तौफ़ीक़ मिले।

पूरे विश्व के अहमदी जमाअत की उन्नतियों तथा समस्त कठिनाईयाँ दूर होने के लिए भी दुआ करें। सरकारों तथा प्रत्येक उपद्रवी के शर से अल्लाह तआला हमें बचाए रखे। बन्दी बनाए गए लोगों के लिए भी दुआ करें, यह दुआ करें कि हम अल्लाह तआला का दामन ऐसा पकड़ें कि कभी हमारी किसी ग़लती के कारण यह दामन न छूटे और अल्लाह तआला की कृपाओं की वर्षा सदैव हम पर होती रहे। मुसलमान दुनिया के लिए भी दुआ करें, अल्लाह तआला इन्हें बुद्धि तथा समझ दे तथा वे आने वाले मसीह मौऊद और मेहदी मअहूद को मानने वाले हों। युद्ध के बुरे प्रभाव से बचने के लिए भी दुआ करें। मुस्लिम देशों में सत्ता के लिए जो युद्ध हो रहे हैं तथा उसके परिणाम में जा निर्दोष जनता अत्याचार की चक्की में पिस रही है, अल्लाह तआला उन पर भी रहम करते हुए इन अत्याचारियों से मुक्ति दे।

दुनिया की सामान्य स्थितियों के बारे में भी दुआ करें। अल्लाह तआला युद्ध और उसके भयानक परिणामों से बचाए। युद्ध की अवस्था में स्वभवतः अहमदी भी इससे प्रभावित होंगे, अल्लाह तआला इन्हें सुरक्षित रखे। इससे बचने के लिए भी हर अहमदी को अपने तक्वे का स्तर ऊँचा करना होगा, यही हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम ने फ़रमाया है कि अल्लाह तआला हमें इसकी भी तौफ़ीक़ दे। यहाँ भी लगता है, यू.के. में भी मुसलमानों के चारों ओर घेरा तंग करने का प्रयत्न किया जा रहा है, दुआ करनी चाहिए कि अल्लाह तआला हमें भी तथा यहाँ के शेष मुसलमानों को भी इसके बुरे प्रभाव से सुरक्षित रखे। आमीन

اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ نَحْمَدُهُ وَنَسْتَعِيْنُهُ وَنَسْتَغْفِرُكَ وَنُؤْمِنُ بِكَ وَنَتَوَكَّلُ عَلَيْهِ وَنَعُوْذُ بِاللّٰهِ مِنْ شُرُوْرِ اَنْفُسِنَا وَمِنْ سَيِّئَاتِ اَعْمَالِنَا  
مَنْ يَهْدِهِ اللّٰهُ فَلَا مُضِلَّ لَهُ وَمَنْ يُضِلِّهِ فَلَا هَادِيَ لَهُ وَاشْهَدُ اَنْ لَا اِلٰهَ اِلَّا اللّٰهُ وَحْدَهُ لَا شَرِيْكَ لَهُ وَاشْهَدُ اَنَّ مُحَمَّدًا عَبْدُهُ  
وَرَسُوْلُهُ، عِبَادَ اللّٰهِ رَحْمَتُ اللّٰهِ اِنَّ اللّٰهَ يَأْمُرُ بِالْعَدْلِ وَالْاِحْسَانِ وَاِتْيَاءِ ذِي الْقُرْبٰى وَيَنْهٰى عَنِ الْفَحْشَاۗءِ وَالْمُنْكَرِ وَالْبَغْيِ  
يَعْظُمُ لَعْنَتُكُمْ تَذَكُّرًا فَاذْكُرُوا اللّٰهَ يَذْكُرْكُمْ وَاَدْعُوْا يَسْتَجِبْ لَكُمْ وَلَذِكْرُ اللّٰهِ اَكْبَرُ۔

हिन्दी अनुवाद को अधिक सुन्दर बनाने हेतु सुझाव का स्वागत है, सम्पर्क करें-9781831652

टोल फ्री सम्पर्क अहमदिया मुस्लिम जमाअत क्रादियान-18001032131